श्री रुद्रदेव पाठक,

आपका व्यावसायिक प्रतिवेदन

इस व्यावसायिक (केरियर) रिपोर्ट में आपके व्यक्तित्व, प्रवृत्ति, महत्वाकांक्षाएँ, अभिप्रेरणाएँ, सृजनशीलता और कार्यों को करने में आपकी लगन आदि का विस्तृत विवरण समाविष्ट है। इस रिपोर्ट में आपके बल-पराक्रम, निर्बलता, सहज झुकाव और बौद्धिक आयाम पर प्रकाश डाला गया है। इससे आपकी अपनी वस्तुस्थिति, संपदा और स्रोत साधनों के बारे में नई सोच बनेगी। साथ ही, इस रिपोर्ट में आपकी सामाजिक समरसता और अन्य लोगों से आपके सहज संबंधों पर प्रकाश डाला गया है। आपके जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों के बारे में सिलसिलेवार चर्चा की गई है।

विषय विस्तार

चरित्र और व्यक्तित्व लग्न : रिपोर्ट के इस भाग में निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर आपके व्यक्तित्व पर ग्रहों के पड़ने वाले शुभ प्रभावों का वर्णन किया गया है।

- **बल विचार (शक्ति सम्पन्नता)**
- **निर्बलता (कमजोरियाँ)**

आपके व्यक्तित्व का सबसे बली पक्ष (षड्बल से बली ग्रह पर विचार)

सृजन की लगन, कल्पना शक्ति और अभिप्रेरक तत्व

चन्द्र स्थिति के आधार पर : आपकी चंद्र कुंडली में चंद्रमा की स्थिति हमारे मन की उड़ान, सृजनशीलता और सहज स्वाभाविक प्रवृत्तियों को दर्शाती है। इससे आप यह समझ पाएंगे कि आप दूसरों को किस नजरिए से देखते हैं अर्थात् आपकी प्रवृत्ति क्या है? इस भाग में निम्न सम्मिलित है:-

- **चंद्रमा की विभिन्न नक्षत्रों में स्थिति**
- **चंद्रमा की राशि में स्थिति**

व्यावसायिक विश्लेषण : जन्म के समय की ग्रह स्थिति यह निर्धारित कर देती है कि आपके लिए उपयुक्त व्यवसाय या आजीविका क्या होगा? हमारी जन्मपत्रिका में दशम भाव एवं दशम भाव के स्वामी ग्रह के आधार पर व्यवसाय का निर्धारण होता है। दशमेश की स्थिति, राशि और अन्य ग्रहों की वहाँ स्थिति, युति आदि यह निर्धारित करती है कि हमारे केरियर के क्षेत्र में क्या संभावनाएँ, क्या सफलताएँ और कौन-सी बाधाएँ आ सकती हैं? यह रिपोर्ट आपके जीवन में आने वाले शुभ अवसरों और परेशानियों की समीक्षा मात्र है। इसके साथ ही, दशमेश ग्रह आपकी प्राथमिकताओं के क्षेत्रों का भी संकेत देते हैं, जो आपकी सफलताओं में वृद्धि करेंगे। दशमांश वर्ग कुण्डली में दशमेश ग्रह की शुभ स्थिति केरियर को आगे बढ़ाने में विशेष सहायक होती है। रिपोर्ट के इस भाग में निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई है -

- संभावित क्षेत्रों का विश्लेषण
- आजीविका के क्षेत्र
- पसंदीदा क्षेत्र
- व्यावसायिक अभिरुचि
- दशमेश से अन्य ग्रहों की युतियाँ
- दशम भाव में ग्रहों के योग

आपकी जन्मकुंडली में ग्रहों की विशेष स्थिति और आपके व्यक्तित्व एवं व्यवसाय पर उनके प्रभाव : रिपोर्ट के इस भाग में हम उन ग्रहों की विशेष स्थिति पर विस्तार से चर्चा करेंगे, जो आपको विशेष रूप से प्रभावित करते हैं। ग्रह विशेष प्रकार की स्थिति में होते हैं यदि वे :-

- अपनी उच्च राशि में हों,

- नीच राशि में हों,
- स्वराशि में हों।

सामाजिक समरसता : आपके आस-पास के व्यक्तियों से मधुर संबंध आपकी सफलता का निर्धारण करते हैं। लोगों से मधुर एवं प्रगाढ़ संबंध बनाए रखना और उनसे अपने कार्य करा लेना एक कला है, जिससे हमें जीवन में सुख और सफलताएँ मिलती हैं। रिपोर्ट के इस भाग में हमने निज़्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला है।

- अपने उच्चाधिकारियों से आपके संबंध
- अपने सहयोगियों से आपके संबंध
- अपने अधीनस्थों से आपके संबंध
- आपके अन्य लोगों से संबंध व जनसंपर्क

आपके कैरियर में आने वाला समय (वर्ष) : रिपोर्ट के इस भाग में आपके कैरियर की भावी स्थिति पर प्रकाश डाल गया है। जिसमें निज़्न बिंदुओं पर चर्चा की गई है-

- आने वाले वर्ष में आपके व्यवसाय में आने वाले उतार-चढ़ाव
- वर्ष का महत्वपूर्ण विषय
- इस वर्ष व्यवसाय (केरियर) के क्षेत्र में विशेष सुझाव या संकेत

धन, प्रतिष्ठा और आय : रिपोर्ट के इस भाग में निज़्न महत्वपूर्ण बिंदुओं को समाविष्ट किया गया है।

- धनागम
- पद एवं स्थिति
- आप में स्थायित्व व निरंतरता

तनाव प्रबंधन : प्रतिस्पर्धाओं से भरे इस संसार में आपका तनाव प्रबंधन उच्च श्रेणी का होना चाहिए, सफलताएँ तभी मिल सकती हैं। रिपोर्ट का यह भाग आपके व्यक्तित्व के महत्वपूर्ण पहलू पर प्रकाश डालेगा, जिसमें निज़्न बिंदुओं पर विशेष चर्चा होगी -

- **आपके आसपास स्थिति अवसाद की आवृत्ति**
- **अवसाद प्रबंधन में आपकी योग्यता**

व्यवसाय का अवधि के अनुसार विश्लेषण : आपके व्यवसाय का समयानुसार विश्लेषण, आपके व्यवसाय में आने वाले शुभाशुभ समय की जानकारी दी गई है जिससे आप अपने निवेश और नए क्षेत्रों में उद्यमिता से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लेने में समर्थ हो सकेंगे। इस भाग में निज़्न बिदुंओं पर चर्चा होगी -

- अनुकूल समय
- प्रतिकूल समय

उपाय और निवारण

1. मंत्र
2. रत्न

जन्म लग्न : आपके जन्म के समय क्रांतिवृत्त के पूर्वी क्षितिज पर कर्क राशि उदित हो रही थी, इसलिए आप का जन्म लग्न कर्क है। आपका स्वभाव एवं व्यक्तित्व कर्क राशि के समान है। यह जल तत्व राशि है। जैसा कि जल जीवन का आधार है, उसी प्रकार आप में ज़ी मरणासन्न व्यक्ति में जीवनी शक्ति फूंकने की अद्‌भुत क्षमता हो सकती है। आपके राशि स्वामी चंद्रमा हैं, जो ग्रहों में रानी माने जाते हैं एवं मन के कारक हैं। आप उत्तम उर्वरा मस्तिष्क एवं भावना प्रधान हृदय के धनी हैं। आप में औसत मनुष्यों से अच्छी स्मरण शक्ति है जिसके कारण आप अतिरिक्त अवसरों को अपना दास

बना लेते हैं। जैसे कि जल कठोरतम एवं ऊँची-ऊँची चट्टानों और दुर्गम पर्वत श्रेणियों के बीच में से भी अपना रास्ता बना लेता है, उसी प्रकार आप भी चुनौतीपूर्ण व्यक्तित्व के धनी हैं, चाहे आप संवेदनशील ही क्यों न हों? वही जल किसी भी पात्र में समा सकता है, उसी प्रकार आप भी अद्‌भुत रूप से परिवर्तनशील हैं। रानी चंद्रमा आप में पालन-पोषण एवं मातृत्व के गुण भर देती हैं। इससे भी अधिक यह स्त्री राशि है इसलिए आपकी कल्पनाओं की उड़ान ऊँचे, धीर-गंभीर पर्वतों की शीर्ष चोटियों और समुद्र की गहराई के समान होती है यद्यपि आप सरलता से अपने मन की बात प्रकट नहीं करते हैं परन्तु मनोविज्ञान को समझने का आप को ईश्वरीय वरदान है और आप लोगों की मनोवृत्ति को आसानी से समझ लेते हैं। कला के क्षेत्र में आप अधुनातन जानकारी रखते हैं। आप सुविधा एवं सुख भोगी हैं तथा घर में रहना अधिक पसंद करते हैं। आप विलासप्रिय हैं। आपकी राशि चर है। किसी की बहुत देर तक प्रतीक्षा करना आपके बूते से बाहर है। आप अपने ढंग से चलते हैं। इस राशि का प्रतीक चिह्न केकड़ा है। आप धैर्यशील हैं और आपको आसानी से उत्तेजित नहीं किया जा सकता। आपका व्यक्तित्व दो धुरियों में बंटा हुआ है, या तो आप निराश, शर्मीले और असुरक्षा की भावना से ग्रसित होते हैं अथवा आप उत्कृष्ट कूटनीतिक एवं बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन करते हैं। यह सर्व विदित है चंद्रमा स्वयं एक बहुत शीतल ग्रह हैं परंतु ज्वार-भाटों से प्रभावित होते हैं। आप में वही चुम्बकीय क्षमता निहित है जो दूसरों को आकर्षित करने की क्षमता रखती है। जैसा कि कहा गया है आपमें दूसरों को बदलने की अद्‌भुत शक्ति है।

आपके व्यक्तित्व में कुछ प्रतिकूल बातें भी हैं जिन पर आपको ध्यान देने की आवश्यकता है- जैसे अति संवेदनशीलता और तुनक मिजाजी। कई अवसरों पर आप अत्यन्त जिद्दी हो जाते हैं और किसी भी तरह क्षमा करने को तैयार नहीं होते, ऐसा व्यवहार आपके व्यक्तित्व में दोष होने की पुष्टि करता है।

आपके व्यक्तित्व में प्रबलतम पक्ष : आपकी जन्मपत्रिका में चंद्रमा और शुक्र विशेष रूप से बली एवं श्रेष्ठ स्थिति के ग्रह हैं अर्थात् उन्हें 1.51 बल प्राप्त है। इन दोनों शुभ ग्रहों के बली होने के कारण आपका व्यक्तित्व एवं स्वभाव सौज़्य एवं राजसिक हैं।

चंद्रमा : चंद्रमा आपकी कुंडली में एकादश भाव में अपनी उच्च राशि में स्थित हैं तथा बृहस्पति से दृष्ट हैं, जिसके कारण आपकी वाणी में नम्रता और व्यवहार में कुशलता, आपकी सफलता के मूल मंत्र बन जाते हैं। आप इस कला में प्रवीण हैं कि एक मधुर मुस्कान या मधुर व्यवहार से अन्यों से कैसे काम करा लिए जाते हैं?

शुक्र : आप अभिजात्य एवं विशिष्ट शैली के व्यक्ति हैं क्योंकि शुक्र, स्वराशि तुला में, चतुर्थ भाव में स्थित होकर दिग्बली हैं जो जनसामान्य एवं सहयोगियों का भाव है इसीलिए सहयोग और मित्रता एवं भाईचारे, नयाचार (कुछ नया करना) आपके व्यक्तित्व के प्रबलतम पक्ष हैं। आप दलीय भावना से कार्य करने में निपुण हैं।

जन्म नक्षत्र - रोहिणी : रोहिणी का शाब्दिक अर्थ है, 'लाल या बढ़ता हुआ'। लाल रंग हमारी भावनाओं और इच्छाओं का प्रतीक है। समृद्धि और सम्पन्नता को प्रकट करने के लिए 'सुर्ख कालीन' (रक्तिम आसन) नामक उक्ति का प्रयोग किया जाता है। आपके जन्म के समय चंद्रमा इस नक्षत्र में संचार कर रहे थे, इसलिए आपके स्वभाव में शाही अंदाज (राज्योचित गुण) हैं। इस नक्षत्र में चंद्रमा और शुक्र दोनो ग्रहों के गुण विद्यमान हैं इसलिए ये दोनों आपको सृजनधर्मिता के लिए प्रेरित करते हैं। आपके जन्मनक्षत्र के स्वामी ब्रह्मा हैं अर्थात् संसार के रचयिता इसलिए आप दुनिया की श्रेष्ठतम वस्तुओं का सृजन करते हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आपके मन में सदैव कुछ नया बनाने या रचने की भूख रहती है। आपके जन्म नक्षत्र का प्रतीक चिन्ह् 'बैलगाड़ी' है जो तैयार माल को ले जाने के काम में आती है, अतः इस नक्षत्र के जातक होने के कारण आप सांसारिक भोगों की वस्तुओं की इच्छा रखते हैं। आप में विलासिताओं और देशाटन भ्रमण की उत्कट अभिलाषा रहती है। आपकी आध्यात्मिक निष्ठा और ईश्वर में भक्ति अद्वितीय है। आप परंपरावादी व्यक्ति हैं और अपनी सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान करते हैं, परंतु साथ ही कुछ आधुनिक एवं नवीन का सृजन भी करते हैं। आपकी तुलना बड़ के पेड़ (वटवृक्ष) से की जा सकती है

जिसकी शाखा–प्रशाखाएँ दूर–दूर तक फैली होती हैं परंतु जड़ें बहुत गहरी एवं मजबूत होती हैं।

धार्मिक मान्यताएं हैं कि रोहिणी ब्रह्मा जी की पुत्री हैं। रोहिणी के सौंदर्य पर मुग्ध होकर वे उसे प्यार करने लगे परंतु सभी 27 नक्षत्रों के पति चंद्रमा भी अपनी प्रेयसी पत्नी रोहिणी को नहीं छोड़ना चाहते थे। यह कथा इस बात की द्योतक है कि रोहिणी के सौंदर्य में प्रचंड आकर्षण शक्ति है। इस नक्षत्र के जातक होने के कारण आप सौंदर्य, प्रफुल्लता, संवदेना और प्रबल आकर्षण शक्ति के धनी हैं।

कभी–कभी आप ईर्ष्या की हद तक अहंवादी बन जाते हैं और घोर अहंकारी प्रतीत होते हैं। चूंकि आपकी कार्यशैली विशेष रूप से सुनियोजित एवं अनुशासनिक है जिससे आपका स्वभाव आलोचक एवं खिन्न बन जाता है।

आपकी जन्म राशि वृषभ है। वृषभ पृथ्वी तत्व एवं स्थिर राशि है तथा इस राशि में चंद्रमा अपनी उच्च स्थिति में अर्थात् शुभ व बली होते हैं। वृषभ शुक्र की राशि होती है तथा इस राशि में चंद्रमा शुक्र के गुणों का प्रदर्शन करने लगते हैं। आप ईश्वर भक्त हैं तथा अपनी परंपराओं का सम्मान करते हैं। आपकी विनम्रता एवं उदारता आपको उत्कृष्ट सृजनधर्मिता एवं प्रबल सहनशक्ति प्रदान करती है। आप जिस कार्य में हाथ डालते हैं, बहुत जल्दी ही उसमें सिद्धस्त हो जाते हैं। आप बहुत भावना प्रधान हैं तथा दूसरों के कष्टों में तुरन्त शामिल हो जाते हैं। आपकी भावनाओं में, वास्तव में व्यावहारिक दृष्टिकोण छिपा रहता है। आप धर्मार्थी हैं तथा कुछ ऐसा करना चाहते हैं, जिससे दूसरों के चेहरे खिल उठें। आप सांसारिक भोगों एवं सुखों के भोग की अपेक्षा रखते हैं। आप उच्च पद की महत्वाकांक्षा रखते हैं तथा सांसारिक भोग एवं पद–प्रतिष्ठाओं की प्राप्ति के लिए भरसक प्रयत्न करते हैं।

यदि आप किसी चीज की इच्छा करते हैं तो आप उसे प्रबल वेग एवं उत्साह के साथ प्राप्त करके रहते हैं। इंद्रिय भोगों में भी आपकी यह इच्छा इतनी ही प्रबल होती है, इसलिए आपको सावधान रहना चाहिए कि आपकी मोह के बंधन में न बंधे। चूंकि आपमें कलात्मक भाव निहित है, इसलिए आपकी कार्यप्रणाली बहुत व्यवस्थित एवं एक विशेष लययुक्त होती है इसीलिए आप अपने कार्य में पूरा आनंद उठाते हैं। आपकी सहृदयता एवं उदारता के कारण आप अपने मित्रवर्ग में सम्मान पाते हैं। आपको अपनी एकाग्रता पर ध्यान देना चाहिए और आपको गर्व भी होना चाहिए कि आपमें एकाग्र होने की प्रवृत्ति है।

दशम भाव : यह पिता, व्यवसाय, व्यापार, आजीविका, राजकाज से लाभ, प्रसिद्धि और अप्रसिद्धि तथा प्रतिष्ठा आदि का भाव है। आपकी जन्मपत्रिका के दशम भाव में मेष राशि है। मेषः चर राशि है, जो आपको शक्ति, साहस, गतिशीलता और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। यह अग्नि तत्व राशि है और आपके भीतर व्याप्त गर्मी, दूसरों में जोश और उत्साह भर सकती है। अग्नि गर्माहट तो देती है परन्तु जला भी सकती है। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप इस अग्निमय शक्ति को किस प्रकार अपने अनुकूल बनाते हैं। आप जन्मजात योद्धा हैं परंतु आपमें समुचित योजना बनाने और परिणामों के पूर्वाभास की कमी है। आपमें परिव्याप्त संघर्ष की भावना आपको आशावादी बनाए रखती है तथा आप विषम परिस्थितियों में भी विचलित नहीं होते हैं। आपका लग्न कर्क है इसलिए आप कल्पनाशील एवं सृजनधर्मी व्यक्ति हैं। श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको अपनी शक्ति को सृजन में झोंकना होगा। आपका स्वभाव एवं दृष्टिकोण सकारात्मक है इसलिए आप चुनौतियों को सहजता से स्वीकार कर लेते हैं एवं तनाव की स्थिति में भी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर लेते हैं। आप में नेतृत्व गुण विद्यमान हैं और इसी कारण से आप अपनी नेतृत्व क्षमता से सुपरिणाम प्राप्त करने में भी सफल रहते हैं।

अपनी प्रतिभा और क्षमता के उत्तम विकास के लिए आपको जीवन में कुछ लक्ष्यों का निर्धारण कर लेना चाहिए। लक्ष्यों का निर्धारण किए बिना आप अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन नहीं कर सकते। यदि आप लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित कर लेते हैं तो आप उन्हें एक योद्धा की भाँति उसे प्राप्त करने के लिए

जुट जाते हैं। आपमें निश्चय और उत्साह का अद्‌भुत संगम है, जिसके बल पर आप दूसरों में जोश भर देते हैं।

आपकी जन्मपत्रिका में दशमेश मंगल बुध के नवांश में स्थित हैं। बुध एक समझदार, दक्ष एवं चतुर ग्रह हैं। वह स्वाभाविक रूप से विपणन कार्य पसंद करते हैं। नवांशेश बुध अपने गुण आप में प्रकट करते हैं। आपकी जीविका के विषय (साधन) हो सकते हैं– लेखनकला, पत्रकारिता, व्यापार, विपणन कला, परामर्श सेवाएं आदि। आप गहन समझशक्ति एवं वाक चातुर्य के धनी हैं इसलिए आप शिक्षा के क्षेत्र में एक कुशल एवं सफल व्याख्याता हो सकते हैं। आपका आध्यात्मिक जुड़ाव आपको एक अच्छा ज्योतिषी बना देता है। आप हास्य और मनोरंजन के प्रेमी हैं इसलिए आप मनोरंजन उद्योगों में सफल सिद्ध हो सकते हैं अथवा नाट्‌यकला, संगीत आदि में आप का रुझान हो सकता है। बुध वाणी के नैसर्गिक कारक हैं इसलिए आप संप्रेषण के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकते हैं। कोरियर सेवाएं, रेलवे, रोडवेज या वायु सेवाएं आपके लिए लाभप्रद व्यवसाय हो सकते हैं।

आपकी जन्मपत्रिका में दशमेश मंगल छठे भाव में स्थित हैं, छठा भाव ऋण, रोग और शत्रु पक्ष का भाव है। इस भाव में मंगल की स्थिति यह संकेत देती है कि आपके व्यवसाय में विशेषत: आपके विरोधियों द्वारा कुछ बाधाएँ उत्पन्न की जा रही होंगी। आपको अपने ही दम और विश्वास से इन परिस्थितियों पर विजय पानी होगी। अपने प्रयासों में कठोर, दृढ़ और अडिग रहना आपकी सफलताओं में बहुत सहायक हो सकता है। आप आधार से शीर्ष तक अर्थात्‌ तलहटी से पर्वत शिखर तक पहुँचने का जोश रखते हैं। आपकी कार्य शैली को समझ पाना दूसरे लोगों के लिए कठिन कार्य है और यही कारण है कि बहुत से लोग आपके विरोधी बन जाते हैं। आप अपने ही ढंग और सिद्धान्तों के अनुरुप कार्य करते हैं और जीवन में निरन्तर सफलताएँ प्राप्त करते हैं इसलिए आपको धैर्यशाली बनना होगा। न्यायिक सेवा या चिकित्सा सेवाओं के प्रति आपका रुझान हो सकता है। आपको न्यायालय या विधिक प्रक्रियाओं से संबंधित कुछ कार्य करने पड़ेंगे अथवा ऐसे अधिकारी वर्ग से आपके संबंध हो सकते हैं।

आपकी व्यावसायिक अभिरुचि : आपकी जन्म पत्रिका में जलीय एवं शीतल ग्रहों का बली होना, आपको कठोर परिश्रमी एवं व्यावहारिक व्यक्ति बनाता है। आप दार्शनिक प्रवृत्ति के हैं और दीर्घकालीन योजनाओं के लिए अपनी व्यूहरचना बनाते हैं। आप समस्याओं की तह (जड़) तक जाते हैं। शत्रुओं को आप कभी भी कमजोर नहीं समझते। जहाँ तक व्यावसायिक गतिविधियों का प्रश्न है आप बहुत सजग और चौकन्ने रहते हैं और छोटे से छोटे कर्मचारी को भी संतुष्ट रखने का प्रयास करते हैं।

आपकी जन्मपत्रिका में शुक्र स्वराशि में स्थित हैं–

तुला वायु तत्व एवं चर राशि है और शुक्र इसके स्वामी ग्रह है। आपकी जन्मकुण्डली में शुक्र की वायु तत्व एवं चर राशि में स्थिति आपकी निर्णय क्षमता को बढ़ाती है। आप अपने परिवार के साथ मनोरंजनात्मक गतिविधियों और सामाजिक आयोजनों में रुचि से भाग लेते हैं क्योंकि आपका विश्वास है कि जीवन में प्रसन्न एवं सुखी रहने के लिए सौंदर्य, भाईचारा एवं सामंजस्य आवश्यक गुण हैं। आप निज प्रयासों से जीवन में आगे बढ़े हैं और अपने ही दम पर सफलताएँ प्राप्त करते हैं। आप निर्भय होकर अपने संसार (वातावरण) का निर्माण करने की क्षमता रखते हैं। आप बहुत अधिक भावुक हैं और किसी भी प्रकार की हिंसा पसंद नहीं करते। आप संस्कृति और समृद्ध चरित्र के प्रबल प्रशंसक हैं। धनवान और प्रभावशाली, प्रतिष्ठित व्यक्ति होने के कारण आप अपने ही अनुकूल एवं समान प्रतिष्ठा के लोगों से संबंध बनाते हैं। कुछ प्रभावशाली लोग आपकी चतुराइयों से अनायास ही खिंचे चले आते हैं। आप किन्हीं धर्मार्थ या जनसेवार्थ संस्थाओं के प्रन्यासी हो सकते हैं अथवा ऐसी ही जनकल्याण में जुटी संस्था के प्रबंधक व अध्यक्ष हो सकते हैं। सरकारी उच्चाधिकारियों से आपके मधुर संबंध आपकी प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि करते हैं।

आपके सामाजिक संबंध

अपने से उच्च व्यक्तियों से आपके संबंध : वृश्चिक जल तत्व राशि है, मंगल इसके स्वामी है। मंगल का जोश और सूर्य की अधिकारिता के कारण आप अपने कार्यस्थल पर विशिष्ट विशेषाधिकार प्राप्त करने में समर्थ हैं। आपके अधीनस्थ, वरिष्ठ पदाधिकारीगण का आप पर पूर्ण विश्वास है और आप उनकी ओर से कोई भी कार्य अधिकारपूर्वक कर सकते हैं इसलिए आपको जो यह विशेषधिकार और असीमित शक्तियाँ मिली हुई हैं, इनका उपयोग पूर्ण सजगता एवं संवेदना से करना चाहिए और आपको गंभीर प्रयत्न करने होंगे, जिससे आपकी प्रतिष्ठा और आपके प्रति अधीनस्थों का विश्वास और प्रगाढ़ होगा।

महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय अपने सहयोगियों के साथ आपको अत्यन्त विनम्रता से रहना चाहिए। आपकी तर्कपूर्ण कूटनीतियों के कारण आपके कार्यालय के कार्य सहजता से निष्पादित होते रहते हैं और आपके अधीनस्थ, वरिष्ठ अधिकारी और सहयोगी आपकी इन नीतियों की सराहना करते हैं व उनसे प्रभावित होते हैं इसलिए आपका कर्त्तव्य बन जाता है कि आप संजीदा और विनम्र व्यवहार करके अपने अधीनस्थों के मन को जीतें तथा उनका आपमें विश्वास बना रहे।

अधीनस्थों और सहयोगियों से आपके संबंध : आपकी जन्म पत्रिका में बुध अपने मित्र शुक्र की राशि में स्थित हैं। आपको सामाजिक, सौहार्द्र संपन्न एवं बुद्धिमान व्यक्तियों की संगत में रहना पसंद है। आप अपने सहयोगियों से मधुर संबंध बनाने की सदैव पहल करते हैं। स्वाभाविक रूप से आप उत्सव प्रिय हैं और उदारता से खर्च करते हैं। आपको चाहिए अपने चारों ओर भीड़ भरे वातावरण और मित्रों में से उन व्यक्तियों को चुनें, जो वास्तव में आपके सच्चे सहयोगी एवं शुभचिंतक हैं।

आपकी जन्म पत्रिका में शनिदेव अपने मित्र बुध की राशि, कन्या में स्थित हैं। प्रभारी होने के नाते आप अपने अधीनस्थों और सहयोगियों से उनके कार्यों में पूर्ण निपुणता की अपेक्षा करते हैं तथा प्राय: उनकी कार्य प्रणाली से असंतुष्ट ही रहते हैं। अधीनस्थों के साथ यद्यपि आपके संबंध मधुर एवं अच्छे होते हैं परन्तु आपकी उनसे कार्यों में पूर्ण दक्षता की अभिलाषा के कारण वे आपसे चिढ़ जाते हैं।

आपका जनसंपर्क

आपके जन संपर्क के भाव में तुला राशि का होना शुभ है। तुला चर और वायु तत्व राशि है इसलिए आप दक्ष व्यक्तियों के साथ ही संतुष्ट रह पाते हैं। तकनीकी क्षेत्र में निपुण व्यक्तियों से आप आकर्षित होते हैं और उनसे जुड़ा रहना आपकी आदत सी हो गई है। आपके संपर्क में आने वाले लोग राजसी विचार और राजसी व्यवहार के होते हैं अर्थात् उनके सोचने और कार्य करने का तरीका विशिष्ट प्रकार का होता है।

बुध : यह आपको ईश्वर प्रदत्त गुण मिला है कि आप दूसरों की मन:स्थिति और इच्छाओं को आसानी से समझ लेते हैं और तदानुसार उनसे व्यवहार करते हैं। आप चाहते हैं कि आपके अधिक से अधिक लोगों से संपर्क बनें और आप समय आने पर इन संपर्कों से पूर्ण लाभ भी उठाना जानते हैं। आपके संपर्क में आने वाले लोग, आपके तीक्ष्ण बुद्धि कौशल और विश्लेषणात्मक सलाह देने की प्रवृत्ति के कारण आपका हार्दिक सज़्मान करते हैं।

शुक्र : आप जीवन को सहजता से जीते हैं और समाज में अपनी समुचित पैठ एवं पहचान बनाकर रखते हैं। आपके मृदु और विनम्र व्यवहार के कारण आपके समर्थक एवं अनुयायियों की संज़्या बहुत होती है परंतु आप इनमें से कुछ ही व्यक्तियों से प्रगाढ़ एवं निजी संबंध बना पाते हैं। संबंधों में आप बहुत संवेदनशील रहते हैं और यदि आपको कहीं समुचित सज़्मान नहीं मिलता है तो आपको बहुत निराशा होती है। कई बार आप लोगों से जल्दबाजी में संपर्क बना लेते हैं और अपने आसपास भ्रमपूर्ण स्थिति उत्पन्न कर देते हैं अत: आपको शेक्सपीयर की यह उक्ति ध्यान रखनी चाहिए कि 'सभी सुनहरी चमकीली वस्तुएँ स्वर्ण नहीं होती।'

आजीविका और यह वर्ष : इस आने वाले वर्ष में आपकी आजीविका के संबंध में होने वाले परिवर्तनों का संक्षेप विवरण इस प्रतिवेदन के इस भाग में दिया जा रहा है –

नवंबर 2006 से नवंबर 2008 के दौरान आपकी आजीविका के क्षेत्रों में आने वाले उतार–चढ़ाव

चंद्रमा : आपके वर्षेश चंद्र हैं, जो चुंबकीय शक्ति उत्पन्न करते हैं और आपके मन पर नियंत्रण रखते हैं इसीलिए इस वर्ष अधिकांश समय आपका मन चंचल और अस्थिर बना रहेगा। जहाँ एक दिन आप पूर्ण शांत और स्थिर मनोस्थिति में होंगे, वहीं दूसरे दिन स्वयं को पूर्ण अशांत और चलायमान पाएंगे। आपके व्यवहार में ऐसे अकस्मात् आने वाले उतार–चढ़ावों के कारण कुछ गलतफहमियाँ भी बन जाएंगी, संदेहजनक स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। अत: आपको ऐसी मानसिक अस्थिरता और चंचलता के समय आने वाले भावनात्मक ज्वारों पर नियंत्रण करना आना चाहिए अर्थात् मन पर शिकंजा कसना ही होगा। जलीय ग्रह चंद्रमा आँसू बहाने की परिस्थितियाँ बना सकते हैं, ऐसा भावना और संबंधों में कटुता के कारण हो सकता है। आपको याद रखना चाहिए कि **'मन के हारे हार है, मन के जीत जीत।'**

चंद्रमा को ग्रहों में महारानी की पदवी प्राप्त है इसलिए, इस वर्ष सरकार की ओर से होने वाले कार्यों में सहयोग एवं समर्थन मिलेंगे। संभावना है कि इस वर्ष आपको स्थायी सज़्पत्ति, संपदा और धन का लाभ मिले। इस वर्ष आपका संपर्क किसी प्रभावशाली व्यक्ति से हो सकता है, जो आने वाले समय में आपके हितकर सिद्ध होगा। आपके सामाजिक संबंधों में भी विस्तार होंगे।

आप में चंद्रमा के स्त्री सुलभ गुण विद्यमान हैं। लोग आपको अधिक संवेदनशील एवं जिज़्मेदार मानने लगेंगे। आपका पारिवारिक मामलों में गहरी रुचि लेना, एक विशेष गुण बनकर उभरेगा। यही कारण होंगे कि आप अपने प्रियजनों की जरुरतों एवं इच्छाओं को पूरा करने में गहरी रुचि लेंगे। इस वर्ष कई बार आपको स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। आपको उल्टी–दस्त जैसी बीमारियों से सावधान रहना चाहिए। इस वर्ष आप धार्मिक गतिविधियों में भी सक्रिय होंगे और हो सकता है कि आपको कुछ धार्मिक स्थलों की यात्राएँ करनी पड़े।

चंद्रमा का नैसर्गिक सहज गुण है सृजनात्मकता। चूंकि वर्षेश चंद्रमा हैं इसलिए आपमें सृजन करने की ललक और लगन तथा नवीन विचारों का विकास होना सामान्य बात है। हो सकता है कि आप साहित्य की ओर मुड़ जाएं। यदि आप अपने स्वभाव में पनपने वाली इस सृजनात्मक शक्ति को मूर्त रूप दे पाए तो यह नए सृजन के रूप में प्रकट हो जाएगी। जल संबंधी उत्पाद या जल से जुड़े कोई भी क्षेत्र इस वर्ष आपको आकर्षित करेंगे।

वर्ष 2007 से 2008 तक के मुज़्य विषय

इस वर्ष मुंथा आपके पद और प्रतिष्ठा के भाव को प्रभावित कर रही है जिसके कारण आपको अचानक कहीं से कुछ उपहार या सज़्मान मिल सकता है। आप अपनी चतुराई और बुद्धिमता से लाभ कमाने में सफल रहेंगे, इसलिए अपने विचारों पर केंद्रित रहें तथा कल्पनाशक्ति का समुचित उपयोग करें। आपकी जन्म पत्रिका का पंचम भाव पूर्व जन्मकृत कर्मों का लेखा–जोखा प्रस्तुत करता है। इस वर्ष आप अनायास ही कुछ आश्चर्यजनक और अनपेक्षित क्षणों को देखेंगे।

यह वर्ष आपके लिए अधिक जोखिम लेने एवं जोखिम भरे कार्य करने का वर्ष सिद्ध होगा। जल्दबाजी के कार्यों से बचें परंतु बुद्धिमानी से ली गई कोई भी जोखिम, आपको प्रचुर लाभ दे जाएगी। यह स्पष्ट संकेत है कि इस वर्ष आपकी सुख–सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी। संतान पक्ष आपके सुखों का केन्द्र बिंदु रहेगा। या तो इस वर्ष आपको संतान प्राप्ति होगी अथवा आपका अधिकांश समय आपके बच्चों के साथ मनोरंजन और खेल में व्यतीत होगा। बच्चों को उनके कार्य क्षेत्रों में सफलताएँ मिलनी संभावित हैं। इस वर्ष मुज़्य बात यह भी होगी कि आप विद्वान व्यक्तियों की संगत में रहेंगे जैसे उच्च सरकारी अधिकारी या प्रभावशाली लोग। आपकी जिज्ञासु प्रवृत्ति सक्रिय हो उठेगी और परिणामस्वरूप आपके ज्ञान में अभिवृद्धि होगी। आप धार्मिक गतिविधियों में जुड़े रहेंगे और आपको तीर्थयात्राएँ भी करनी पड़ सकती हैं।

इस वर्ष मिलने वाले सुखों को भोगने के लिए शारीरिक व्यायाम और दैनिक पूजा-पाठ, ईश आराधना पर पूर्ण ध्यान दें। इस वर्ष आप आशातीत बचत करने में भी सफल रहेंगे।

आजीविका और आगामी वर्ष 2008 से 2009

वर्षेश मंगल : इस वर्ष मंगल आपके वर्षेश हैं, जो यौवन संपन्न और गतिशील प्रकृति के हैं। इस वर्ष आपमें कुछ पाने और साहसपूर्ण कार्य करने की अपार लालसा उत्पन्न होगी। आप नए कार्य या व्यवसाय आरंभ करेंगे। यही समय आपके प्रयासों को और अधिक बढ़ाने का भी है। आपकी सफलताओं का ग्राफ बढ़ेगा और साथ ही आपका आत्मविश्वास भी। अपनी पहल करने की आदतों के कारण आपकी प्रशंसा बढ़ेगी। लगन, जोश, प्रयत्न और विश्वास जैसे गुणों के कारण ही आप प्रबल शत्रुओं का सामना करने में सफल रह पाएंगे और आपमें नेतृत्व के गुणों का विकास होगा।

आजीविका के क्षेत्र में आपको लाभ पहुँचाने वाली आपकी जोशीली प्रवृत्ति, हो सकती है आपके निजी जीवन में हितकर सिद्ध नहीं हो। भारी जोश में, आप अपने निकट संबंधियों की भावनाओं को आहत कर सकते हैं। आपके परिजन आपसे अपने क्रोध के आवेश पर नियंत्रण करने का आग्रह करते रहेंगे और हो सकता है आप उन्हें बुरी तरह झिड़क दें। आपको चाहिए कि कठोर वाणी पर संयम रखें और दूसरों पर तीखें प्रहारों से बचें अन्यथा आपको अपने उच्चाधिकारियों और वरिष्ठजनों से विवाद, क्रोध और झगड़े होने की संभावना बनी रहेगी। हमारी राय है कि आप कोई न कोई ध्यान साधना, शांति पाठ जैसी किसी संयमी क्रिया की शरण में अवश्य रहें क्योंकि इस वर्ष आपके प्रणय संबंधों पर आघात हो सकते हैं। आपको संबंधों को बनाए रखने के लिए कठोर प्रयास करने होगे, त्याग करने होंगे, स्नेह भावना जगानी होगी।

आपकी आशाओं को कानूनी वाद-विवाद या निकट संबंधियों से उभरे मतभेदों के कारण चोट पहुँचेगी। इस वर्ष चोटग्रस्त होने की पूरी संभावनाएँ हैं इसलिए आपको वाहन धीमी गति से चलाना चाहिए।

नवंबर 2008 से 2009 तक के महत्वपूर्ण विषय व घटनाएँ

जन्मकुंडली का तृतीय भाव साहस और पराक्रम का भाव होता है। इस वर्ष मुंथा, इस भाव को विशेष रूप से सक्रिय कर रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आप समुचित स्रोतों से धन कमाएँगें इसलिए कठोर परिश्रम करने की मानसिकता बनानी होगी। मन को विचलित नहीं होने दें। व्यवसाय के क्षेत्र में आपकी सलाह अच्छे परिणाम दे सकती है और इससे कई प्रकार के प्रस्ताव मिल सकते हैं। आपके आसपास सुख और भोग की वस्तुएँ बढ़ेंगी परंतु सावधान रहें, कहीं आप इन भोगों और सुखों में डूब नहीं जाएं। अपने भाई बहिनों से मधुर संबंध बनाए रखें, इससे आपको प्रसन्नता और सुख प्राप्त होंगे। उनसे मधुर एवं प्रगाढ़ संबंध बनाने में नहीं हिचकिचाएं। इस वर्ष आपमें धार्मिक भावनाएँ बहुत तेजी से पनपेंगी और आप धर्मार्थ, तीर्थाटन पर जा सकते हैं।

व्यावसायिक रूप से, आपके कई संबंध अभिजात्य वर्ग के व्यावसायियों से बनेंगे, जो आने वाले समय में लाभकारी सिद्ध होंगे। आपका व्यावहारिक दृष्टिकोण इन अभिजात्य वर्ग के लोगों से प्रशंसा प्राप्त करेगा। आपको अपनी प्रशंसा पर स्वयं आश्चर्य होगा और आप देखेंगे कि विरोधी पक्ष भी आपकी प्रशंसा करने के लिए विवश होगा। आपको किन्हीं कार्यवश सरकारी कार्यालयों में जाना होगा तथा यह प्रसन्नता की बात है कि वहाँ से आपको अपेक्षित लाभ मिलेंगे। अपने स्वभाव में क्रोध और आवेश नहीं आने दें क्योंकि यह वर्ष सफलताओं से भरा हुआ है। आपको चाहिए इस वर्ष आप और अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए सक्रिय रहें और स्वविवेक का भरपूर प्रयोग करें। यदि आप अपनी दक्षता, निपुणता जैसे गुणों का भरपूर उपयोग व्यवसाय में कर सके तो निश्चय ही संतोषजनक लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

आजीविका के क्षेत्र में विशेष संकेत

1. **अष्टम भाव :** आपकी चंद्र कुंडली में बृहस्पति अष्टम भाव से संचार करेंगे, जो आपको अनिच्छा से भी परिस्थितिवश समायोजन करने के लिए विवश कर देंगे अथवा आपको ऐसा करना ही होगा। आपको दु:ख एवं

आत्मग्लानि होगी। शारीरिक समस्याएँ हो सकती हैं और आपको रोग निदान के लिए मेडिकल चैकअप पर धन एवं समय दोनों व्यय करना पड़ सकता है। ये बीमारी अथवा रोग लंबे समय तक चल सकते हैं।

2. **नवम भाव :** जब बृहस्पति चंद्र लग्न से नवम भाव में संचार करेंगे तो आप अपने प्रयासों से पूँजी निवेश के प्रयास कर सकते हैं। इस समय आपको प्राय: भिन्न-भिन्न प्रकार के व्यंजन मिलेंगे। पत्नी से अपने मधुर संबंध बनाए रखें, आपको परिवार के सदस्यों से पूर्ण प्रसन्नता एवं सुख मिलेगा। आपके विचारों में आ रही प्रौढ़ता एवं संजीदगी की सभी प्रशंसा करेंगे। ऐसी प्रबल संभावनाएँ हैं कि किसी भी प्रकार से आपको संपदा संबंधी लाभ मिले।

3. **चतुर्थ भाव :** चंद्र लग्न से चतुर्थ भाव में शनि की स्थिति इस वर्ष आपके लिए समस्याप्रद होगी क्योंकि शनि की यह स्थिति गुप्त शत्रु एवं उनकी गतिविधियों में वृद्धि कर देती है क्योंकि आप इस परिस्थिति का सामना पूर्ण रूप से करने की स्थिति में नहीं रहेंगे अत: आपको अपने कार्य स्थल या निवास स्थान के प्रति कुछ अलगाव की भावना पनपेगी। ऐसा करने से आप परिवारजन से मानसिक और भावनात्मक रूप से दूर हो जाएंगे।

इस विशेष अवधि में धन संबंधी समस्याएँ भी विशेष रूप से उभरेंगी। आप योजनाओं पर अमल नहीं कर पाएंगे क्योंकि पूँजी का अभाव रहेगा। आपको चाहिए छोटी-छोटी बातों को छोड़कर अपने लक्ष्यों पर ध्यान केन्द्रित करें और सफलता के लिए प्रयास करें।

धन, प्रतिष्ठा और आय : रिपोर्ट का यह भाग निम्न महत्वपूर्ण पक्षों से संबंधित है-

धनागम : आपकी जन्म पत्रिका में द्वितीयेश, पंचम भाव में स्थित हैं। द्वितीय भाव के स्वामी परिवार, वाणी, दूर दृष्टि और सभी प्रकार के वित्तीय मामलों से संबंधित होते हैं जबकि पंचम भाव संतान, भावनाएँ, ईश्वर भक्ति, उपासना और पूर्वजन्म के कर्मों का भाव होता है।

यह शुभ संकेत है कि अनपेक्षित लाभों की संभावना बनी हुई है। आप व्यावसायिक व्यवहारों में सौदेबाजी करते हैं। आपके स्वभाव में शिष्टाचार की कुछ कमी है जिससे दूसरों की भावनाएँ आहत हो जाती हैं और इससे आपको कई बार हानि उठानी पड़ती है, अत: आपको अपने व्यवहार में शिष्टता लानी चाहिए।

पद एवं स्थिति

सूर्य : आपकी जन्म पत्रिका में सूर्य पंचम भाव में स्थित हैं। आप साहसी हैं तथा वीर पुरुष भी। आप अतिमहत्वाकांक्षी हैं। आपको संतान संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। जीवन में धन और सुख-सुविधा प्राप्त करने के लिए आपको कुछ संघर्ष करने पड़ सकते हैं। कुछ समय के लिए आपको किन्हीं कारणवश अपना जन्म स्थान छोड़ना पड़ सकता है। आपके अल्पसंतति योग है अत: आपको लंबे समय तक संतान की मदद करनी पड़ सकती है।

पंचमेश छठे भाव में : आपकी जन्मपत्रिका में पंचमेश छठे भाव में स्थित है, जो व्यावसायिक समस्याएँ उत्पन्न करेगा। आपका व्यवसाय विधि मामले या न्याय व्यवस्था से जुड़ा हो सकता है। आप आने वाली परिस्थिति को पहले ही भांप लेते हैं। आपमें सहृदयता एवं सहानुभूति के गुण भरे पड़े हैं इसलिए आप दूसरों के विश्वास एवं प्रेरणा के स्रोत बन जाते हैं॥

आप उच्चाधिकारियों के सलाहकार हो सकते हैं परन्तु उच्च पद और अधिकार प्राप्त करने में आपको बाधाओं का सहारा लेना होगा। आपकी आदत है किसी हाथ में लिए हुए काम को करके ही दम लेते हैं, इसलिए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बार-बार प्रयास करने चाहिएँ। आपके विरोधी आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं परंतु आपमें उन्हें पीछे छोड़ने की शक्ति निहित है। आप समाज में फैल रहे कदाचार, भ्रष्टाचार को रोकने में अग्रणी हो सकते हैं, जिससे आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

आय में स्थिरता व स्थायित्व

एकादश भाव में चंद्रमा की स्थिति आपके उर्वर मस्तिष्क, दीर्घायु एवं धनी होने की सूचना देती है। आप सुखी जीवन जी सकते हैं। अपने मित्रों और सगे-संबंधियों में आप समस्या निवारण के खिलाड़ी माने जाते हैं। आप स्वाभाविक नम्र हैं तथा कला और साहित्य में अभिरुचि रखते हैं। आप जीवन में उच्च पद, प्रतिष्ठा, सम्मान और अच्छी सामाजिक स्थिति प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

आप नीति और सिद्धान्तों में विश्वास करने वाले व्यक्ति हैं।

तथा अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सही और सुसंस्कृत तरीके अपनाते हैं।

मानवता एवं मानवधर्म में आपका प्रबल विश्वास है।

एकादशेश की चतुर्थ भाव में स्थिति : एकादश भाव लाभ, बड़े भाई और आय का भाव है। चतुर्थ भाव माता, स्थायी संपत्ति, शिक्षा, वाहन और सामान्य सुख का भाव है। आपकी जन्मपत्रिका में एकादशेश चतुर्थ भाव में स्थित हैं जो यह संकेत देता है कि आप भूमि संबंधी संपत्तियों से धन कमाएंगे। आपको व्यावसायिक कारणों से स्थान बदलना पड़ सकता है। अपने जनसंपर्कों के कारण आप धन कमाने में सफल रहेंगे।

तनाव प्रबंधन : प्रतिस्पर्धाओं से भरे इस संसार में आपका तनाव प्रबंधन उत्तम श्रेणी का होना चाहिए। रिपोर्ट का यह भाग आपके व्यक्तित्व के विशेष पहलू पर प्रकाश डालता है।

आपके आसपास तनाव की आवृत्ति : छठे भाव में अग्नि तत्व राशि होने के कारण यदा-कदा भारी मतभेद और क्रोध भरी बहस हो जाती है। यद्यपि आप ठंडे दिमाग के व्यक्ति हैं परंतु यदि कोई आपको उकसाता है तो आप पूर्ण आवेश प्रकट करने लगते हैं। बाद में आपको अपने किए हुए व्यवहार पर पछतावा होता है और आप तनावग्रस्त हो जाते हैं।

आपकी जन्मपत्रिका में मंगल छठे भाव में स्थित हैं इसलिए आप निर्णय लेने में हिम्मत दिखाते हैं। शत्रु सदैव आस-पास ही रहते हैं। विपरीत परिस्थितियों में आप दबाव महसूस करते हैं। आप में जुझारुपन का गुण है। धैर्यशील होने के कारण अंतत: जीत ही जाते हैं।

तनाव प्रबंधन में आपकी योग्यता : आपकी जन्मपत्रिका में षष्ठेश तृतीय भाव में स्थित है। षष्ठेश रोग, शत्रु, ऋण, बाधा और प्रतिस्पर्धाओं के कारक होते हैं जबकि तृतीय भाव पराक्रम, साहस, बुद्धिमता और छोटे भाइयों का भाव होता है। आपमें प्रतिस्पर्धा की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है इसीलिए आप जोखिम लेने से कभी नहीं कतराते। आप जानते हैं कि इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। यह निराशाजनक बात है परंतु कटु सत्य भी है कि आपके बंधुगण एवं मामापक्ष के लोग ही आपके प्रबल प्रतिस्पर्धी हैं। आप में अचानक ही आवेश में आ जाने की प्रवृत्ति है और आवेश में आ जाने पर आप कुछ अनहोनी भी कर बैठते हैं। आपको अपनी इस आदत में सुधार लाना चाहिए अन्यथा आपको कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

आजीविका क्षेत्र में अवधिवार विश्लेषण : आजीविका क्षेत्र में अवधिवार विश्लेषण आपको आपके व्यवसाय में आने वाले पक्ष और विपक्ष (प्रतिकूल समय) के संकेत देता है। इससे आपको अपने व्यावसायिक निवेश और नए व्यावसायिक उपक्रम आरंभ करने संबंधी निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। रिपोर्ट के इस भाग में निम्न सम्मिलित हैं :-

- अनुकूल समय।
- प्रतिकूल समय।

रोजगार

आपकी जन्म लग्न, चन्द्र लग्न और सूर्य लग्न में से, चन्द्र लग्न अति शक्तिशाली प्रतीत होती है अत: व्यवसाय संबंधी निर्णय के लिए जन्म लग्न और चंद्र लग्न संबंधित विश्लेषण समीचीन होगा क्योंकि

दोनों में ही चन्द्रमा महत्वपर्णू होंगे इसलिए भी कि आपकी जन्मपत्रिका के चार ग्रह चन्द्रमा के नक्षत्र में स्थित हैं।

जीवन में आपके रोजगार क्षेत्र बदलेंगे और कुल मिलाकर तीन या चार बार विषय बदलेंगे। इस जन्मपत्रिका में नौकरी की इच्छा बहुत अधिक नहीं है। यद्यपि आवश्यकता पड़ने पर ऐसा किया जा सकता है जो व्यवसाय क्षेत्र सफलता दिला सकते हैं, वे निज़्न हैं –

1. भूमि, भवन, खान, खनिज, वाहन, ऑटो मोबाइल्स, स्पेयर पार्ट्स व ऐसा शो बिजनेस, जिसमें बहुत ही शालीन एवं परिष्कृत वस्तुओं का व्यवसाय होता हो।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा और शुक्र दोनों का षड्बल सर्वाधिक और समान है, अत: यह सब करते हुए आप ऐसा कोई कार्य भी करेंगे जिसमें सलाह देना आता हो तो अच्छा शुल्क मिलता हो। चतुर्थ भाव में बुध और शुक्र की उपस्थिति किसी शैक्षणिक संस्थान की ओर भी इशारा कर रही है जिसका संकेत आपकी दशमांश कुण्डली के दशम भाव में मिलता है, जहाँ मीन राशि में केतु और बुध स्थित हैं। आपकी वर्ग कुण्डलियों में शुक्र और चंद्रमा लगातार अच्छी स्थितियों में हैं और इससे अनुमान लगता है कि आपकी सार्वजनिक रूप से प्रतिष्ठा बढ़ने के अवसर हैं तथा भविष्य में समाचार माध्यमों में आपकी पूछ बढ़ेगी। न केवल यह बल्कि यौगिक क्रियाओं व विशेष उपासना पद्धतियों में भी आपकी गहरी रुचि होगी। विंशांश कुण्डली के पंचम भाव में बृहस्पति और बुध हैं, नवम भाव में शुक्र हैं तथा दशम में चंद्रमा हैं जो यह दर्शाता है कि आपको धर्म, दर्शन, आध्यात्म व ज्योतिष क्षेत्र के श्रेष्ठ गुरु की प्राप्ति होगी व आपको समस्त बाधाओं को पार कराकर जीवन में सफल बनाएंगे। विंशांश कुण्डली के छठे भाव में मेष के सूर्य और शनि की उपस्थिति गत जन्म से आई हुई बाधाओं के समान है, जिनका निवारण यदि इस जन्म में हो जाए तो बाधाओं की समाप्ति होकर न केवल यह जन्म सफल होगा बल्कि इतनी चैरिटी के काम जो इस जन्म में दिख रहें हैं, वे सफल हो पाएंगे।

आपकी कारकांश लग्न मीन है और कारकांश लग्न को जैमिनि दृष्टि से शनि, मंगल और बृहस्पति देख रहे हैं। इनमें से शनि प्रसिद्ध कर्म से आजीविका करना बताते हैं व बृहस्पति वैदिक विद्याओं की ओर ले जाते हैं व मंगल तर्कशास्त्र व मार्केटिंग में कुशलता लाएँगे। मंगल भूमि से संबंधित ज्योतिष की ओर भी इशारा करते हैं। इस बात की पुष्टि आपकी जन्म कुण्डली की षोडशांश वर्ग कुण्डली भी कर रही है, जिसके चतुर्थ भाव को शुक्र देख रहे हैं और चतुर्थेश स्वयं बृहस्पति हैं।

शुक्र अन्तर्दशा, जब राहु महादशा के अन्तर्गत हो तो आवश्यक रूप से व्यक्ति तकनीकी एवं विद्या संबंधी क्षेत्रों की ओर आकृष्ट होता है। राहु रहस्य विद्याओं में ले जाते हैं और शुक्र शास्त्रों की ओर तथा आधुनिक पद्धतियों का प्रयोग करते हुए व्यक्ति उन विषयों का अध्ययन करता है, जो उसके सार्वजनिक प्रकाशन में मदद करते हैं। इसी अन्तर्दशा में आपको नष्ट वाहन की प्राप्ति होगी तथा कुछ अधिक धनार्जन करके आप किसी भूमि या भवन की योजना भी बनाएँगे। चतुर्थेश की अन्तर्दशा में व्यक्ति को बार–बार जन्म स्थान की यात्रा का अवसर मिलता है। माता से बार–बार मिलना होता है। माता का शुभ होता है व घर में वैभव व श्रृंगार की वस्तुएँ आती हैं। इस अन्तर्दशा में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और राहु महादशा में शुक्र अन्तर्दशा होने के कारण आप वह सब प्रपंच कर सकेंगे, जो आपकी लोकप्रियता बढ़ाने में सहायक हों। राहु में शुक्र अंतर्दशा के कुछ प्रत्यंतरों के फल लिखे जा रहे हैं जो विशेष परिणाम देंगे–

शुक्र (28 अगस्त, 2007 से 27 फरवरी, 2008) : इस अवधि में दैनिक आय बढ़ेगी और वाहन सुख–सुविधा में बढ़ोत्तरी होगी। घर में कुछ सामान खरीद सकते हैं जिससे सुख–सुविधा में वृद्धि होगी।

सूर्य (27 फरवरी, 2008 से 22 अप्रैल, 2008) : आर्थिक दृष्टि से यह समय अच्छा जाएगा और पद–प्रतिष्ठा के दृष्टिकोण से भी यह प्रत्यंतर शुभ रहेगा। इस समय कोई ऐसा कार्य करेंगे, जिससे व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। घर–परिवार में कुछ निर्णय लिए जा सकते हैं। कुछ मानसिक चिंताएं इस समय बनी रहेंगी।

चंद्रमा (22 अप्रैल, 2008 से 22 जुलाई, 2008) : आर्थिक दृष्टि से समय आपके पक्ष में है तथा कहीं न कहीं से धन प्राप्ति की कोशिश करेंगे। ऋण प्राप्त करके व्यवसाय करने की योजना बनाएंगे। आपके ऋण लेने के प्रयास सफल होंगे।

मंगल (22 जुलाई, 2008 से 24 सितंबर, 2008) : यह समय कार्यक्षेत्र में स्थापित होने का है तथा लाभ प्राप्ति भी हो सकती है। इस अवधि में आपका मान बढ़ेगा। आप सावधानी बरतें क्योंकि ठीक इसी समय कुछ लोग शत्रुतापूर्ण कार्य करेंगे। आपको चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि आपकी पराजय नहीं होगी फिर भी स्वभाव के आवेश से कमी लानी होगी।

राहु (24 सितंबर, 2008 से 7 मार्च, 2009) : कुछ मानसिक क्लेश रहेगा तथा कोई साधारण सी अपयशकारी बात हो सकती है परंतु इस समय दृढ़ निश्चय के साथ आप किसी नए कार्य का ताना-बाना रचेंगे, जिसमें आगे चलकर सफलता मिलेगी। धन प्राप्ति के लिए हर तरह की कोशिश करेंगे।

गुरु (7 मार्च, 2009 से 1 अगस्त, 2009) : यह भाग्यवर्धक समय है, जिसमें एक साथ ही कुछ लोगों की ईर्ष्या सहन करनी पड़ेगी। इस अवधि में आप कुछ अच्छा कार्य कर पाएंगे। लोगों से सहयोग बढ़ेगा। आपको अपनी नैसर्गिक प्रतिभा के पूर्ण दोहन का प्रयास करना चाहिए। अपने आजीविका क्षेत्र को निश्चित दिशा दे पाएंगे और सफलता दिखने लगेगी। यह समय आपके जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ लाने वाला है क्योंकि व्यक्तिगत जीवन की महत्वपूर्ण बातें आएंगी।

शनि (1 अगस्त, 2009 से 21 जनवरी, 2010) : भागीदारी का यह श्रेष्ठ समय है, चाहे जीवनसाथी हो या व्यावसायिक साझेदार। यहाँ घटनाक्रम तेजी से मोड़ ले रहा है और आपकी सुख-सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हो सकती है। आय प्राप्ति के साथ व्यय भी होगा। वाहन प्राप्ति की प्रबल संभावनाएं हैं।

बुध (21 जनवरी, 2010 से 25 जून, 2010) : इस अवधि में वृथाटन होगा और दूर-दूर की यात्राओं पर खर्चा होगा। व्यवसाय के विस्तार में भी खर्चा होगा। भाई-बहिनों के लिए शुभ समय है।

केतु (25 जून, 2010 से 28 अगस्त, 2010) : यह समय मानसिक अशांति का है तथा कोई संबंध अचानक खराब हो सकता है। मन विचलित तो रहेगा परंतु आप धीरज नहीं खोएंगे और धीरे-धीरे सब ठीक कर लेंगे। यह अत्यधिक खर्चे का भी समय है परंतु विपरीत सूर्य राशि से तीसरे होने पर भी 15 जुलाई से 15 अगस्त तक इसलिए अनुकूल नहीं होंगे क्योंकि वे जन्मकालीन राहु पर से भ्रमण करेंगे। परंतु अगस्त के बाद से वे अनुकूल हो जाएंगे। आपकी आलोचनाओं में कमी आएगी, मन में शांति रहेगी और भौतिक सुखों में बढ़ोत्तरी होगी।

राहु में सूर्य (28 अगस्त, 2010 से 23 जुलाई, 2011) : यह समय कुछ विचित्र परिणामों वाला रहेगा। घर एवं कार्यस्थल दोनों जगह स्वयं को सही सिद्ध करने की आवश्यकता रहेगी। पैतृक संपत्ति से संबंधित विवाद भी जोर पकड़ सकते हैं। आपकी कुण्डली में सूर्य का षड्बल सबसे कम अर्थात् 0.61 है और सूर्य की अंतर्दशा में आप अपने आत्मविश्वास में कुछ कमी पाएंगे, समस्याओं को बड़ा करके देखेंगे। आर्थिक गणित को अपने पक्ष में करने के लिए बहुत प्रयास करने पड़ेंगे। यह मारक अंतर्दशा है जिसमें स्वास्थ्य रक्षा के लिए आपको **महामृत्युञ्जय** के पाठ करने चाहिएं। बहुत सारे अंतर्विरोध होते हुए भी आर्थिक दृष्टि से सही समय जाएगा। आपके समर्थक बढ़ेंगे। कुछ पुराने लोग साथ छोड़ेंगे तो कुछ नए लोग जुड़ेंगे। कार्यक्षेत्र में अक्टूबर-नवंबर 2010 काफी परिवर्तन लाने वाला है और यह प्रक्रिया दिसंबर-2010 तक अच्छे परिणाम देगी। इस अंतर्दशा में सूर्य की उपासना लाभदायक रहेगी। सूर्य का मंत्र निम्न है-

ॐ घृणिः सूर्याय नमः।

पित्त में वृद्धि होगी, कार्यालय में बैठे उच्चाधिकारियों या व्यक्तियों से विरोध या मनमुटाव हो सकता है। सूर्य के मंत्र पढ़ने से आपके स्वभाव में तेजी नहीं आएगी और लाभ उठायेंगे।

राहु में चंद्रमा (23 जुलाई, 2011 से 21 जनवरी, 2013) : लग्नेश की अंतर्दशा शुभ जाती है। नवांश कुण्डली में बृहस्पति व चंद्रमा एक ही राशि मेष में स्थित हैं और इस तरह से जन्मकुण्डली में स्थित चंद्रमा से त्रिकोण में स्थित बृहस्पति, जो कि हस्त नक्षत्र के ही हैं। नवांश कुण्डली में और अधिक बलवान हो जाते हैं। यहाँ चंद्रमा गजकेसरी योग के आंशिक फल देने की स्थिति में आ जाते हैं क्योंकि दशांश कुण्डली में भी चंद्रमा और बृहस्पति एक-दूसरे से केंद्र में हैं। नवांश व चतुर्थांश कुण्डली जिससे भाग्य देखा जाता है, उसमें भी चंद्रमा दशमेश हैं और इस तरह से आजीविका क्षेत्रों में बड़ा परिवर्तन लाने वाले सिद्ध होते हैं।

आपकी जन्मकुण्डली के लग्नेश चंद्रमा न केवल उच्च राशि में हैं बल्कि अपने ही नक्षत्र रोहिणी में स्थित हैं। इसके अलावा गुरु, शनि एवं केतु भी चंद्रमा के नक्षत्र में स्थित होने से चंद्रमा की अंतर्दशा बहुत अच्छी जाने की संभावना बन गई है। चंद्रमा जन्म लग्न से ग्यारहवें भाव में बैठे हैं, जो लाभ भाव कहलाता है। महादशानाथ राहु से अंतर्दशानाथ चंद्रमा एकादश में स्थित हैं इसलिए वे लाभ प्रदायक हैं व इस अंतर्दशा में व्यवसाय में लाभ करायेंगे। चंद्रमा अति शक्तिशाली हैं क्योंकि इनका षड्बल कुण्डली में सर्वाधिक है तथा ये विशेष लाभ या पदोन्नति करा सकते हैं। अंतर्दशानाथ चंद्रमा, पूर्णिमा के आसपास के होने के कारण एवं अपनी उच्च राशि व स्व नक्षत्र में होने के कारण कोई विशेष फल दे सकते हैं अत: आपको चाहिए कि जो भी उपक्रम करना है, वह सूर्य अंतर्दशा में कर लें ताकि जो भी लाभ आना है, वह पहले दिन से ही चंद्रमा की अंतर्दशा में आने लग जाए। लग्नेश की अंतर्दशा में वैसे भी जितनी मेहनत व्यक्ति करता है, उससे अधिक लाभ उसको मिलने लगते हैं। इसको ऐसे भी माना जा सकता है कि आप कोई अच्छी योजना बनाएंगे तो बड़ा लाभ होगा।

सन्-2009 में जो प्रयास आपने किए थे, वे 2012 से शुभ फल देना शुरु करेंगे और 2013 बहुत शानदार जाने वाला है। यह समय भाई-बहिनों के लिए भी अत्यंत शानदार है तथा यदि कोई भागीदारी का प्रस्ताव आए तो आपको उसे स्वीकार कर लेना चाहिए। घर की कलह में कमी आएगी। व्यक्तिगत संबंधों के ज्वार में आप सारी दुनिया को भूल जाएंगे और आप एक जुनून में काम करेंगे, जिसके कारण सफलताएं मिलेंगी परंतु किसी रिश्ते की कीमत चुकानी पड़ेगी।

उपाय :-

मंत्र :- समयानुसार ऊपर वर्णित कर दिए गए हैं।

रत्न :- आपको $5^{1}/_{4}$ रत्ती का मूँगा, सोने की अंगूठी में दाहिने हाथ की अनामिका में, शुक्ल पक्ष के किसी मंगलवार को धारण करना चाहिए।

मूँगा धारण करते समय निम्न मंत्र का जाप आपके लिए लाभदायक है।

धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्।
कुमारं शक्ति हस्तं तं मङ्गलं प्रणमाम्यहम्॥

यह दशाफल बिना आयु निर्णय के लिखा गया है । ईश्वर आपका शुभ करें।

॥ इति शुभम्॥

(सतीश शर्मा)
प्रधान सम्पादक,
ज्योतिष मंथन, जयपुर